797

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-204

संहिता स्कन्ध

MA Jyotish (MAJY-20/21)

2nd Year Examination, 2021 (Winter)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. ज्योतिष शास्त्र को परिभाषित करते हुए संहिता ज्योतिष एवं दैवज्ञ लक्षण का प्रतिपादन कीजिए।

2. वृष्टि के कारक का उल्लेख कीजिए।

3. गुरू, शुक्र, शनि, राहु एवं केतु चार फल का लेखन कीजिए।

4. वास्तु शास्त्र के प्रवर्त्तकों का उल्लेख करते हुए वास्तु पुरुष की अवधारणा का प्रतिपादन कीजिए।

5. गृहारम्भ एवं गृहप्रवेश का विश्लेषण कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. मेघ गर्भ लक्षण का लेखन कीजिए।

2. दकार्गल से क्या तात्पर्य है?

3. अगस्त्य चार फल का प्रतिपादन कीजिए।

4. वास्तु पद विन्यास एवं पिण्ड निर्माण का उल्लेख कीजिए।

5. वृष्टि भंग योग का विश्लेषण कीजिए।

6. सप्तर्षि चार फल क्या है?

7. वास्तु शास्त्र के स्वरूप का प्रतिपादन करें।

8. गृहसमीप वृक्षादि का वर्णन कीजिए।